लखनऊ में AI सिटी, गोरखपुर में सेंटर ऑफ एक्सिलेंस बनाएगा टाटा

NBT रिपोर्ट, लखनऊ

राजधानी लखनऊ में प्रस्तावित AI सिटी के विकास में टाटा समूह व्यापक भागीदारी करेगा। इसके अलावा गोरखपुर में भी सेंटर ऑफ एक्सिलेंस स्थापित किया जाएगा। इसके जरिए पूर्वांचल के युवाओं को एआई, साइबर सिक्यॉरिटी, डेटा साइंस, ड्रोन और स्पेस टेक्नॉलजी जैसी अत्याधुनिक विधाओं में प्रशिक्षित किया जाएगा। सोमवार को सीएम योगी आदित्यनाथ से टाटा संस के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन ने मुलाकात की। इस दौरान एआई, आईटी, इलेक्ट्रॉनिक्स, रक्षा विनिर्माण, ऊर्जा, नवीकरणीय ऊर्जा, ईवी, पर्यटन, कौशल विकास और डिजिटल अर्थव्यवस्था सहित विभिन्न क्षेत्रों में दीर्घकालिक सहयोग को लेकर सहमति बनी। सीएम ने कहा कि यूपी में निवेश का बेहतर परिवेश तैयार है।

बैठक के दौरान टाटा संस के चेयरमैन ने राजधानी लखनऊ में 'एआई सिटी' विकसित करने का प्रस्ताव पेश किया। यह परियोजना यूपी को आर्टिफिशल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में वैश्विक हब के रूप में स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इसके साथ ही गोरखपुर में 48 करोड़ रुपये से तैयार हो रहे 'सेंटर ऑफ एक्सिलेंस' की स्थापना कार्य की प्रगति पर भी चर्चा हुई, जिससे विशेष रूप से पूर्वांचल के युवाओं को उन्नत तकनीकी प्रशिक्षण और अवसर प्राप्त होंगे। टाटा समूह ने जानकारी दी कि आईआईटी कानपुर के साथ किए गए एमओयू के माध्यम से एआई, साइबर सिक्यॉरिटी, डेटा साइंस, 3डी प्रिंटिंग, ड्रोन और स्पेस टेक्नॉलजी जैसे क्षेत्रों में युवाओं को प्रशिक्षित किया जाएगा। यह पहल प्रदेश में स्किल डेवलपमेंट और इंडस्ट्री-रेडी वर्कफोर्स तैयार करने में सहायक होगी। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (TCS) की लखनऊ और नोएडा यूनिट में वर्क फोर्स को 16,000 से बढ़ाकर 30,000 किया जाएगा। यह कदम यूपी के डिजिटल टैलंट पूल को मजबूत करेगा, साथ ही राज्य के युवाओं के लिए आईटी क्षेत्र में रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे।

बैठक में टाटा संस के मुखिया की ओर से प्रदेश में ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर (जीसीसी) की स्थापना को लेकर भी विचार-विमर्श हुआ।

ईवी, इलेक्ट्रॉनिक्स में भी बढ़ाएंगे भागीदारी : इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग के क्षेत्र में यूपी की तेजी से विकसित होती क्षमता को देखते हुए टाटा समूह ने मोबाइल उपकरणों, इलेक्ट्रॉनिक कंपोनेंट्स और अन्य हाई-टेक उत्पादों के निर्माण में निवेश बढ़ाने की इच्छा जताई। इस संदर्भ में टाटा समूह द्वारा टेटल के साथ किए गए एमओयू का उल्लेख करते हुए प्रदेश में इलेक्ट्रॉनिक मैन्युफैक्चरिंग इकोसिस्टम को और मजबूत करने पर चर्चा हुई। इसके साथ ही इलेक्ट्रिक बसों, ईवी और अन्य वाहनों के नए मॉडलों के निर्माण में भी सहयोग और निवेश विस्तार पर सहमति बनी। टाटा समूह ने झांसी सहित प्रदेश के विभिन्न रक्षा औद्योगिक नोड्स में ड्रोन, मिसाइल और रक्षा वाहनों के निर्माण के लिए निवेश बढ़ाने का प्रस्ताव रखा। झांसी में बीडा के अंतर्गत परियोजना विस्तार की जानकारी साझा करते हुए टाटा समूह ने मुख्यमंत्री के विजन के अनुरूप प्रदेश की रक्षा प्राथमिकताओं में पूर्ण सहयोग देने का आश्वासन दिया। सीएम ने कहा कि सरकार निवेशकों को स्थिर नीति, पारदर्शी व्यवस्था और अनुकूल कारोबारी वातावरण उपलब्ध करवाने के लिए प्रतिबद्ध है। टाटा समूह के साथ यह बहुआयामी सहयोग राज्य की अर्थव्यवस्था, रोजगार सृजन और तकनीकी आत्मनिर्भरता को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा।

सीएम योगी आदित्यनाथ के साथ मुलाकात में टाटा संस के चेयरमैन ने दी जानकारी, टीसीएस वर्कफोर्स दोगुना करेगी

ढाई गुना बढ़ाएंगे लग्जरी रूम

यूपी में पर्यटकों की संख्या में आए उछाल के चलते एकमोडेशन की बढ़ती मांग को देखते हुए हॉस्पिटैलिटी सेक्टर में भी टाटा समूह विस्तार करेगा। मौजूदा होटल्स की क्षमता के विस्तार के साथ ही 30 नई यूनिट भी टाटा समूह स्थापित करेगा। इससे इसके लग्जरी रूम की संख्या 2 हजार से ढाई गुना बढ़कर 5 हजार तक पहुंच जाएगी। इन होटल्स का निर्माण राज्य के प्रमुख और उभरते पर्यटन केंद्रों लखनऊ, प्रयागराज, अयोध्या, वाराणसी, वृंदावन, आगरा, कानपुर, बिजनौर और गोरखपुर में किया जाएगा। नोएडा में टाटा समूह लैंडमार्क होटल विकसित कर रहा है। चंद्रशेखरन ने सीएम को बताया कि अयोध्या में प्रस्तावित मंदिर म्यूजियम का का काम भी जनवरी, 2027 तक पूरा कर लिया जाएगा। साथ ही मथुरा-वृंदावन में मानसी गंगा कुंड, श्याम कुंड, राधा कुंड, अष्टकाशी कुंड, नारी सेमरी कुंड, गरुड़ गोविंद कुंड और कृष्ण कुंड समेत 8 कुंडों का जीर्णोद्धार भी कंपनी करवाएगी। प्रदेश में प्रमुख गंगा घाटों की सफाई भी कार्ययोजना का हिस्सा है।